

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1765
जिसका उत्तर दिनांक 17.03.2022 को दिया जाना है

परमाणु संयंत्रों के पर्यावरणीय प्रभावों को नियंत्रित करना

1765 श्रीमती वंदना चव्हाण :

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि परमाणु ऊर्जा के लिए यूरेनियम का खनन करने से कार्बन का उत्सर्जन होता है;
- (ख) क्या सरकार ने वर्ष 2031 तक परमाणु ऊर्जा को 22,480 मेगावाट तक बढ़ाने के अपने विजन के अनुरूप यूरेनियम के सतत उपयोग के लिए कोई योजना बनाई है;
- (ग) परमाणु संयंत्रों के कारण होने वाले जल संदूषण के खतरे को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
- (घ) क्या मौजूदा परमाणु संयंत्रों का सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रयोजनों हेतु स्तरोन्नयन किया जा रहा है और, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) परमाणु संयंत्रों के पर्यावरण संबंधी संभावित खतरों को कम करने के लिए संस्वीकृत, संवितरित और उपयोग की गई धनराशि का राज्य-वार/संघ राज्य क्षेत्र-वार/वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

- (क) किसी भी प्रकार की खनन गतिविधि और खनिज सांद्रता के उत्पादन के लिए अयस्क के प्रक्रमण हेतु ऊर्जा की आवश्यकता होती है। यही वास्तविकता यूरेनियम अयस्क के खनन और प्रक्रमण के लिए भी है। इस प्रयोजन के लिए, बिजली ही ऊर्जा का मुख्य स्रोत है और ऊर्जा के स्रोत के रूप में डीजल का उपयोग बिजली की तुलना में अत्यंत महत्वहीन है।

- (ख) जी, हां । परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर 6780 मेगावाट की वर्तमान संस्थापित क्षमता को वर्ष 2031 तक बढ़ाकर 22480 मेगावाट करने की योजना है । भावी संयंत्रों के लिए यूरेनियम की आवश्यकता को स्वदेशी रूप से उपलब्ध यूरेनियम के साथ-साथ आयातित यूरेनियम का उपयोग करके पूरा किया जाएगा ।
- (ग) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को अतिरिक्तता तथा विविधता के संरक्षा सिद्धांतों को अपनाते हुए अभिकल्प किया जाता है और गहन संरक्षा सिद्धांत का अनुपालन करते हुए 'विफल-संरक्षित (फेल-सेफ)' अभिकल्प विशिष्टताएं उपलब्ध कराई जाती हैं जो पर्यावरण में रेडियोसक्रियता की निर्मुक्ति के बीच कई रोधिकाएं उपलब्ध कराता है । उपकरण और प्रणालियों को सक्रिय और गैर-सक्रिय प्रणालियों का पृथक्करण सुनिश्चित करते हुए अभिकल्प किया गया है । इसके अलावा, जलीय बहिःस्रावों की निगरानी की जाती है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि निर्मुक्ति स्तर नियामक प्राधिकरण, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर रहे ।
- (घ) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में संरक्षा की लगातार समीक्षा की जाती है और विकसित वैश्विक मानकों, घटनाओं और अनुभव की जानकारी के आधार पर सुधार/उन्नयन क्रियान्वित किए जाते हैं । इसी प्रकार, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में पर्यावरणीय निष्पादन में निरंतर सुधार और मुख्य स्रोतों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं ।
- (ङ) नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल है और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से गंभीर पर्यावरणीय जोखिम की संभावना बिल्कुल नहीं है । किसी भी संभावित जोखिमों को कम करने के लिए, अभिकल्प और विभिन्न प्रचालन तथा अनुरक्षण कार्यप्रणाली में उपबंधित किए गए हैं । इन उपायों के लिए निधि नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की पूंजीगत और प्रचालन व अनुरक्षण लागत का एक हिस्सा है तथा अलग से इसका लेखा-जोखा नहीं रखा जाता है ।

* * * * *